भारत और पापुआ न्यू गिनी के बीच संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत ने अप्रैल, 1996 में पोर्ट मोरेसबी में अपना उच्चायोग खोला। पहले, पापुआ न्यू न्यू गिनी के साथ राजनयिक संबंधों का संचालन सुवा से होता था और उसके बाद कुआलालम्पुर से होने लगा। पापुआ न्यू गिनी ने भी अक्टूबर, 2006 में अपना आवासी राजनयिक मिशन खोला।

भारत और पापुआ न्यू गिनी के बीच सौहार्दपूर्ण एवं मित्रवत संबंध रहे हैं। दोनों देश राष्ट्रमंडल, निर्गुट आंदोलन तथा संयुक्त राष्ट्र संगठन सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय फोरमों में गहरे तालमेल के साथ कार्य करते रहे हैं।

विदेश मंत्री साम अबल ने जुलाई, 2009 में भारत का चार-दिवसीय दौरा किया। यह दोनों के बीच किया गया पहला द्विपक्षीय मंत्रालयीय दौरा था। विदेश मंत्री अबल ने विदेश मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, विज्ञान एवं वप्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, आर्थिक कार्य मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने, राजनीतिक एवं आर्थिक तथा वाणिज्यिक क्षेत्रों, विशेषकर ऊर्जा, शिक्षा, दूरसंचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में, द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने की अपनी सरकार की इच्छा जाहिर की।

श्री रिचार्ड मारू, व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने भागीदारी शिखर सम्मेलन 2013 में उपस्थित होने के लिए जनवरी, 2013 में भारत का दौरा किया। उनके साथ आने वाले प्रतिनिधिमंडल में श्री सासिंद्रन मुथुवेल, पश्चिमी नए ब्रिटेन प्रांत का गवर्नर और निवेश संवर्धन एजेंसी के अधिकारी शामिल थे। उन्होंने श्री आनंद शर्मा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से द्विपक्षीय वार्ताएं की।

श्री विलियम डुमा, पूर्व पेट्रोलियम एवं ऊर्जा मंत्री को दिनांक 2 अप्रैल, 2013 को नई दिल्ली में पेट्रोनेट एल एन जी लि0 के स्थापना दिवस समारोहों में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया था। श्री डुमा ने 30 मार्च से 3 अप्रैल, 2013 के दौरान भारत का दौरा किया।

उनके साथ एक 8 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी आया था जिसमें उनके मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, प्रधानमंत्री कार्यालय से एक सलाहकार और कुछ व्यवसायी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल हेतु पेट्रोनेट द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अलावा श्री डुमा ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री के साथ और पेट्रोनेट के दाहेज टर्मिनल तथा बाम्बे हाई में ओ एन जी सी की सुविधाओं का दौरा करने सहित प्रतिनिधिमंडल के लिए पेट्रोनेट द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अलावा, दिनांक 2 अप्रैल, 2013 को राज्यमंत्री (पी के) से भी शिष्टाचार भेंट की। पापुआ न्यू गिनी का दौरा करने के लिए पापुआ न्यू गिनी के पेट्रोलियम एवं ऊर्जा मंत्री द्वारा हमारे माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री को आमंत्रण भेजा गया है जिस पर विचार किया जा रहा है।

पेट्रोलियम एवं ऊर्जा मंत्री के दोरे के बाद, पेट्रोनेट / ओ वी एल प्रतिनिधिमंडलों ने पापुआ न्यू गिनी का दो बार दौरा किया तथा राज्य के स्वामित्व वाले पेट्रोमिन एल एन जी होल्डिंगस लि0 और एल एन जी सेक्टर के विभिन्न हितधारकों के साथ गहन वार्ताएं कीं। प्रस्तावित गल्फ एल एन जी परियोजना से 22.5 प्रतिशत की भारत की खरीद हेतु पेट्रोमिन के साथ एक सैद्धांतिक करार किया गया। गल्फ एल एन जी परियोजना में संभावित भारतीय भागीदारी के लिए इंटरऑयल एवं अन्य संबंधितों के साथ भी चर्चा की गई।

स्पीकर थिडोर जुरेनुओक की अगुवाई में एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 26-30 अगस्त, 2013 को भारत का दौरा किया । यह दो राष्ट्रमंडल संसदीय प्रजातांत्रिक देशों के बीच संसदीय सम्बद्धता को बढ़ावा देना है।

जनरल फ्रांसीस अगवी, पी एन जी डी एफ के मुख्य ने भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में पी एन जी डी एफ कैडेट अधिकारी के अंत्येष्टि कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जनू, 2013 में भारत का दौरा किया। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने भारतीय नौ सेनाध्यक्ष एवं भारतीय वायुसेना के उपाध्यक्ष से नई दिल्ली में मुलाकात भी की थी।

श्री संजय भट्टाचार्या, संयुक्त सचिव (दक्षिण), विदेश मंत्रालय ने अप्रैल 9-10, 2013 को पोर्ट मोरेसबी का दौरा किया। उन्होंने विदेश कार्यालय में उप सचिव श्री जोसेफ वैरो से द्विपक्षीय विचार विमर्श किया। उन्होंने रक्षा सेनाध्यक्ष ब्रिगेडियर जनरल अगवी से मुलाकात और उनसे रक्षा सेक्टर में परस्पर सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में चर्चा की। अम्ब इस्साक लुपारी, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के साथ अपनी बैठक में उन्होंने

कहा कि तीन मसौदों यथा निवेश, दोहरा कराधान एवं तकनीकी सहयोग को गंभीरता से उठाया जाएगा और भावी बैठकों में इस पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार किया जाएगा।

मदद/ तकनीकी सहायता

भारत पापुआ न्यू गिनी को भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्रदान करते हुए उसके क्षमता निर्माण प्रयासों में सहायता प्रदान करता रहा है। अब तक, 300 से अधिक उम्मीदवारों ने भारत में प्रशिक्षण प्राप्त किया है जिनमें पापुआ न्यू गिनी के 23 रक्षा कार्मिक भी शामिल हैं। इस वर्ष, भारत ने 4 राष्ट्रमंडल कार्यक्रम छात्रवृत्तियों के अलावा 30 छात्रवृत्तियों की भी पेशकश की है। भारत समय-समय पर पापुआ न्यू गिनी, जहां भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट को मानवीय सहायता एवं आपदा राहत की भी पेशकश करता रहा है। सूनामी इत्यादि प्राकृतिक आपदाओं का प्रकोप बना रहता है, प्रशांत महासागर द्वीपसमूह देशों के लिए हमारे क्षेत्रीय सहायता पहल के भाग के रूप में, भारत सरकार ने सामाजिक कार्यक्रमों हेतु उपस्कर एवं सामग्री की आपूर्ति करने के लिए पापुआ न्यू गिनी को वार्षिक सहायता अनुदान की पेशकश की।

आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध

पापुआ न्यू गिनी की आबादी लगभग 7 मिलियन है और जी डी पी 20 बिलियन अमरीकी डॉलर का है। यह संसाधन समृद्ध देश है। पापुआ न्यू गिनी में व्यापार एवं निवेश दोनों क्षेत्रों में भारत की भागीदारी लगातार बढ़ी है। वर्ष 2011 – 12 में पापुआ न्यू गिनी के लिए भारत का निर्यात 36 मिलियन अमरीकी डॉलर तथा आयात 199.37 मिलियन अमरीकी डॉलर का था। निर्यात की जाने वाली मुख्य वस्तुओं में वस्त्र, मशीनरी एवं उपस्कर, खाद्य वस्तुएं, विनिर्मित वस्तुएं, औषधीय वस्तुएं, शल्य चिकित्सीय मदें, साबुन, वाशिंग पावडर, पॉलिश पेपर, कागज, लुगदी इत्यादि शामिल हैं। वे वास्तविक व्यापार के परिचायक नहीं थे क्योंकि पापुआ न्यू गिनी अधिकांश भारतीय वस्तुओं का आयात तीसरे राष्ट्रों से करता है। पापुआ न्यू गिनी से आयात की जाने वाले प्रमुख वस्तुओं में सोना, तांबे के अयस्क तथा सांद्रक, लकड़ी, गरी, समुद्रीय उत्पाद, वैनिला और कोको शामिल हैं।

दक्षिणी उच्च प्रांत (साउदर्न हाइलैंड प्रोविंस) में प्राकृतिक गैस की खोज होने के परिणामस्वरूप, एक्सॉन मोबिल के द्वारा किए गए व्यापक निवेश की सहायता से पापुआ न्यू गिनी में विकसित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों की

अभिरूचि अब लगातार बढ़ती जा रही है। इसी तरह, पश्चिमी एवं घाटी प्रांतों (गल्फ प्रोविंसेज) में गैसों की खोज की जा रही है और भारतीय कंपनियां सम्बद्ध परियोजनाओं में भाग ले सकती हैं। पेट्रोनेट लि0 एवं ओ वी एल का एक कंसोर्टियम इन क्षेत्रों से सम्बद्ध कुछ मिड एण्ड डाउन स्ट्रीम परियोजनाओं तथा गैस की खरीद के लिए प्रयासरत है। अब तक, समझौता वार्ताओं हेतु तीन कंसोर्टियम प्रतिनिधिमंडलों ने दौरा किया है। पेट्रोमिन और पेट्रोनेट के बीच एक समझौता ज्ञापन पर कार्यवाही आरंभ कर दी गई है।

इसी तरह, पापुआ न्यू गिनी बाजार में विस्तार होने से वाणिज्य एवं व्यापार विशेषकर भारतीय श्वेत वस्तुओं एवं संसाधित खाद्यान्नों में वृद्धि होनी संभावित है। विभिन्न करार जैसे तकनीकी सहयोग, द्विपक्षीय निवेश संवर्धन एवं दोहरा कराधान (डी टी ए ए) के बारे में समझौता वार्ता चल रही है।

आई आई टी एफ 2012 में भाग लेने हेतु पापुआ न्यू गिनी से व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडल के दौरे के साथ साथ एक व्यावसायिक सेमिनार का आयोजन नवम्बर, 2012 में किया गया। पापुआ न्यू गिनी के प्रतिनिधिमंडल में पापुआ न्यू गिनी निवेश संवर्धन प्राधिकरण (आई पी ए), खनिज संसाधन विकास कंपनी (एम आर डी सी), कोकोआ बोर्ड एवं राष्ट्रीय मत्स्य प्राधिकरण के अधिकारी शामिल थे। यह भी सूचना दी गई कि भारतीय निवेशकों ने पापुआ न्यू गिनी में एक सोना परिष्करणशाला (गोल्ड रिफाइनरी) की स्थापना की अभिरूचि जाहिर की थी।

वर्ष 2012 – 13 के दौरान बाजार विस्तार पहलों के भाग के रूप में, उच्चायोग ने दिनांक 27 नवम्बर, 2012 को पोर्ट मोरेसबी वाणिज्य एवं उद्योग मंडल के बिज सेंटर में पापुआ न्यू गिनी में भारत के निवेश एवं व्यापार संभाव्यता संबंधी सेमिनार का आयोजन किया। स्थानीय व्यवसाय समुदाय के सदस्यों के अलावा पापुआ न्यू गिनी निवेश संवर्धन प्राधिकरण, ऑक्सफोर्ड व्यवसाय समूह, एस्सार ग्रुप के अधिकारियों और पापुआ न्यू गिनी तथा आस्ट्रेलिया में बसे भारतीय मूल के व्यवसायियों ने इस सेमिनार में भाग लिया। भारतीय मसालों (अडानी ग्रुप द्वारा), बासमती चावल (ए पी ई डी ए द्वारा) भारतीय चाय (चाय बोर्ड) तथा आयुर्वेदिक दवा (वैद्यनाथ के द्वारा आपूर्ति कराई गई) के नमूने प्रदर्शित किए गए। इन नमूनों को पोर्ट मोरेसबी में किराए पर लिए गए विभिन्न वाणिज्यिक स्थलों पर भी प्रदर्शित किया गया।

वर्ष 2013 – 14 के दौरान के कार्यकलाप के भाग के रूप में इस मिशन ने दिनांक 17 दिसम्बर, 2013 को वाणिज्य एवं उद्योग मंडल में व्यवसाय सेमिनार आयोजित किया।

इस सेमिनार में भारत के सेवा सेक्टर पर विशेष प्रकाश डाला गया। इस मिशन ने मानव संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं आई टी ई एस, शिक्षा, चिकित्सा सेवाएं एवं चिकित्सा पर्यटन के बारे में विचार व्यक्त करने हेतु चार पैनलिस्टों की व्यवस्था की थी। इस सेमिनार के काफी बेहतर परिणाम प्राप्त हुए। इस मिशन ने जनवरी, 2014 में पोर्ट मोरेसबी में प्रख्यात डिपार्टमेंट स्टोर "भारत व्यापार संवर्धन सप्ताह" का भी आयोजन किया।

सांस्कृतिक संबंध

उच्चायोग की सहायता से पापुआ न्यू गिनी का भारतीय एसोसिएशन प्रतिवर्ष पोर्ट मोरेसबी में 'इंडियानाइट' सांस्कृतिक समारोह का आयोजन करता है। वर्ष 2012 में, इस समारोह में 600 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया जिसमें आई सी सी आर के द्वारा भेजी गई सिंधी धमाल नृत्य मंडली का कला प्रदर्शन मुख्य आकर्षण का केंद्र था। इस कला प्रदर्शन का देश के राजनीतिक एवं व्यावसायिक वर्ग और राजनयिक टुकड़ी के सदस्यों ने लुत्फ उठाया। सिंधि धमाल नृत्य मंडली ने 28 अक्टूबर को पोर्ट मोरेसबी के ओपेन जैक पिडिक पार्क में भी कला का प्रदर्शन किया। इस शो की मेजबानी एन सी डी सी के गर्वनर द्वारा किया और इसमें पोर्ट मोरेसबी के आस पास की आबादियों से अनेक लोग और पापुआ न्यू गिनी के समाज के सभी वर्गों के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

इस मिशन ने पापुआ न्यू गिनी विश्वविद्यालय के सहयोग से 7 – 12 जून, 2013 की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय रंगभूमि में भारतीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया। उच्चायोग ने इस महोत्सव का उद्घाटन किया जिसमें यूनिवर्सिटी स्टाफ और छात्र और भारतीय समुदाय के लोग भी बहुत अधिक संख्या में उपस्थित थे। विदेश मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई छः डी वी डी को समारोह में दिखाया गया। मार्च, 2013 में एक पृथक समारोह में, उच्चायोग द्वारा पापुआ न्यू गिनी विश्वविद्यालय के पुस्ताकलय को महात्मा गांधी की चयनित कृतियों का एक सेट भेंट किया गया।

संसद में राज्य समारोह कक्ष (स्टेट फंक्शन हॉल) में आयोजित एक समारोह में, उच्चायोग ने महात्मा गांधी की चयनित कृतियों की छियासठ प्रतियां राष्ट्रीय संसदीय पुस्तकालय को उपहार स्वरूप दी। प्रधानमंत्री, मंत्रीगण, राज्यपाल, सांसदगण, अधिकारीगण, सभी क्षेत्रों से आमंत्रित आगंतुकगण और मीडिया के लोग - जैसे विभिन्न गणमान्य व्यक्ति समारोह के दौरान उपस्थित थे। माननीय स्पीकर, थियोडोरे जूरेनूओक

ने अपने भाषण में कहा कि इस देश के नेता, विश्व के अन्य देश के नेताओं की तरह, समस्याग्रस्त विश्व में शांति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गांधी जी के जीवन एवं शिक्षा से सीख प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने इन पुस्तकों को उपहार स्वरूप प्रदान किए जाने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि ये पुस्तकें 'राष्ट्रीय संसदीय पुस्तकालय के लिए अमूल्य निधि' साबित होंगी। उन्होंने भारत के साथ उत्कृष्ट राजनीतिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देश के लोगों के बीच काफी गहन संबंध हैं। उन्होंने विशेषकर शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय शिक्षकों तथा अधिकारियों के द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्य की सराहना की।

इसके अलावा, उच्चायोग ने संस्कृति के लिए सोसायटियों को प्रोयोजित किया है।

भारतीय समुदाय

पापुआ न्यू गिनी में लगभग 300 भारतीय हैं जो पापुआ न्यू गिनी एल एन जी परियोजना सहित विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत हैं। अन्य पेशेवरों में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, विश्वविद्यालय तथा विद्यालय के शिक्षक, चिकित्सक, सूचना प्रौद्योगिकी एवं वित्त, मिशनरी के कामगार इत्यादि शामिल हैं। कुछ भारतीय मध्य स्तरीय अधिशासी स्तरों पर सरकारी विभागों में भी कार्यरत हैं।

पापुआ न्यू गिनी का भारतीय एसोसिएशन पापुआ न्यू गिनी में चैरिटेबल कार्यकलापों एवं विकासात्मक कार्यों को निष्पादित करता रहा है। इसी तरह, भारत की मिशनरियां, मदर टेरेसा की सिस्टर्स आफ चैरिटी सामाजिक कार्य में सहायता कर रही हैं।

*****

जनवरी, 2015